

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 20 जुलाई, 2026

जारी करने का समय: 1345 घंटे

- विषय: (i) अगले 4-5 दिनों में उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व भारत में मॉनसून के सक्रिय रहने की संभावना है।
(ii) 20 और 21 तारीख को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है; वहीं 20 जुलाई को उत्तराखंड, बिहार और असम व मेघालय में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।
(iii) अगले 7 दिनों तक पश्चिम-मध्य और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 20 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ उत्तराखंड और मेघालय में बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 21 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तर प्रदेश, सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा, झारखंड, बिहार, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा, और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश, तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ औसत समुद्र तल पर मॉनसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पंजाब और उसके आस-पास के इलाकों में हवा का एक चक्रवाती घेरा (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों में हवा का एक चक्रवाती घेरा बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तरी झारखंड और उससे सटे बिहार के ऊपर हवा का एक चक्रवाती घेरा बना हुआ है।
- ❖ उत्तरी झारखंड और उससे सटे बिहार के ऊपर बने हवा के चक्रवाती घेरे से त्रिपुरा तक निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर एक ट्रफ जा रही है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और उसके आस-पास के इलाकों में हवा का एक चक्रवाती घेरा बना हुआ है।
- ❖ मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर हवा का एक चक्रवाती घेरा बना हुआ है।
- ❖ पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर बने हवा के चक्रवाती घेरे से उत्तर-पूर्व अरब सागर तक मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर एक ट्रफ जा रही है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर मध्य असम और उससे सटे नागालैंड के ऊपर हवा का एक चक्रवाती घेरा बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 20 से 24 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 20 से 26 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20 से 23 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में; 20 से 24 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 23 से 26 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25 से 26 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 24 से 26 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में; 25 से 26 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 20 से 26 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; और 20 से 22 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20 से 26 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 20 से 24 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; और 20 से 25 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 20 से 26 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 20 से 22 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 20 से 21 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 25 से 26 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; और 26 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 20 से 21 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 20-21 जुलाई और 23-25 जुलाई के दौरान; उत्तराखंड में 20 जुलाई और 22-26 जुलाई के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 23 जुलाई को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 23-25 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22-24 जुलाई के दौरान; पश्चिमी राजस्थान में 20-24 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 20-25 जुलाई के दौरान बारिश की संभावना है। इसके साथ ही, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 22-23 जुलाई के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 22 जुलाई को; उत्तराखंड में 21 जुलाई को; हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 20-22 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 20-21 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।
- ❖ 20 और 21 तारीख को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है; उत्तराखंड में 20 जुलाई को भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।

मध्य भारत:

- ❖ 20-21 जुलाई और 25-26 जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 25-26 जुलाई के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 22-24 जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 20-26 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 20-24 जुलाई के दौरान विदर्भ में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20-24 जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 20-21 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 22-24 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 20-22 जुलाई के दौरान विदर्भ में; और 20-24 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।

- ❖ 20-23 जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 20 जुलाई और 22-23 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 23 जुलाई को विदर्भ में; और 20-26 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 21 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्व भारत:

- ❖ 20 जुलाई और 23-26 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 23-26 जुलाई के दौरान बिहार; और 20-26 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 21-22 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 20-26 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; और 20-22 जुलाई के दौरान बिहार में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20-26 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और बिहार; और 20-24 जुलाई के दौरान झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 20-26 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; और 20-24 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 21 जुलाई को झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 20 जुलाई और 22-23 जुलाई को बिहार और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल; 20-22 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 20 जुलाई को झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; और 21 जुलाई को बिहार में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 20 जुलाई को बिहार में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 20-21 जुलाई और 26 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश में; और 20-26 जुलाई के दौरान असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 22-25 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20-24 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 20-21 जुलाई और 25-26 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 20 जुलाई और 22-26 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में; 22-24 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 21 जुलाई को असम और मेघालय में; और 20-21 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 20 जुलाई को असम और मेघालय में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 20-26 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा में; 22-23 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; और 25-26 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20-21 जुलाई और 24-26 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 20-26 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में; और 20-24 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

- ❖ 20 जुलाई और 23-25 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में; 21-22 जुलाई और 25-26 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 21-22 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में; और 20 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 20-26 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 21-23 जुलाई के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 21-26 जुलाई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20 जुलाई और 24-26 जुलाई के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 20-26 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 20 जुलाई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20-24 जुलाई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 20 जुलाई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 20-22 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 20-21 जुलाई के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 20 जुलाई को तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में; 21-24 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 20-24 जुलाई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 23-24 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 22-26 जुलाई के दौरान रायलसीमा में; 20-26 जुलाई के दौरान तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 20 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20 जुलाई को तटीय कर्नाटक में; 20-24 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 20-26 जुलाई के दौरान रायलसीमा और तेलंगाना में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों को चेतावनी:

- ❖ **अरब सागर:** 20 से 25 जुलाई के दौरान सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, पश्चिम-मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों और उससे सटे पूर्वी-मध्य, दक्षिण-पश्चिम और उत्तरी अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 20 जुलाई को दक्षिण गुजरात और उत्तरी महाराष्ट्र के तटों के पास और उनसे दूर; 21 से 24 जुलाई के दौरान गुजरात और उत्तरी महाराष्ट्र के तटों के पास और उनसे दूर।
- ❖ **बंगाल की खाड़ी:** 20 से 22 जुलाई के दौरान आंध्र प्रदेश के तट के पास और उससे दूर (पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों से सटे हुए) और 23 जुलाई को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 20 से 25 जुलाई के दौरान मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; और 20 जुलाई तथा 23 से 25 जुलाई के दौरान दक्षिण श्रीलंका के तटों के पास (दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे हुए)।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

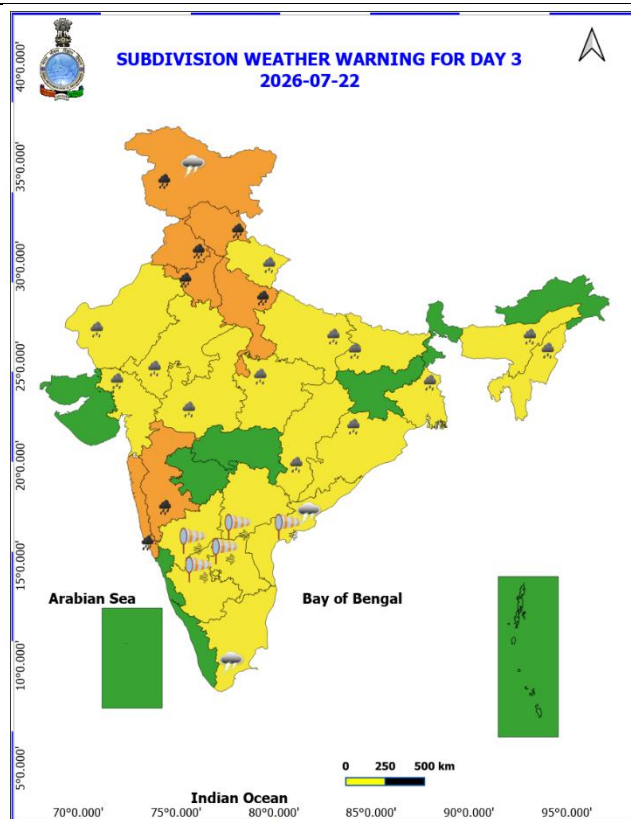
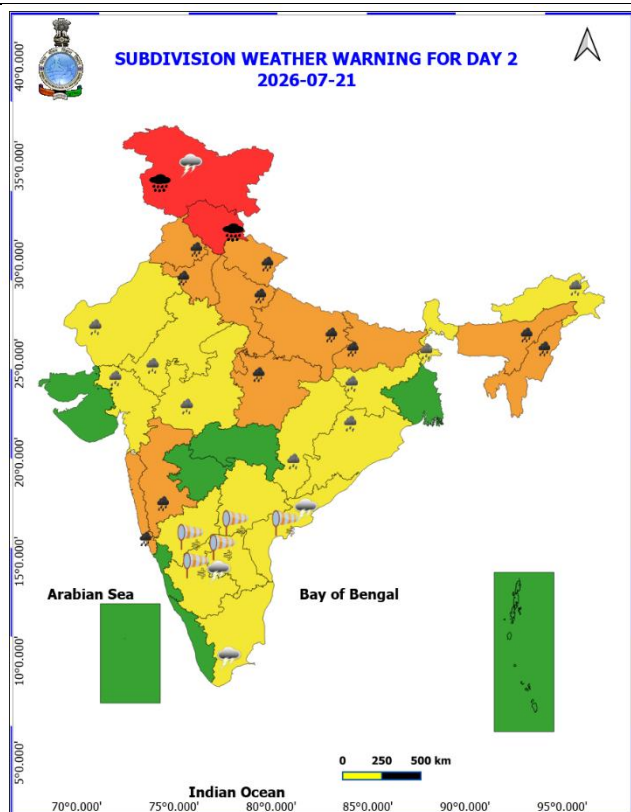
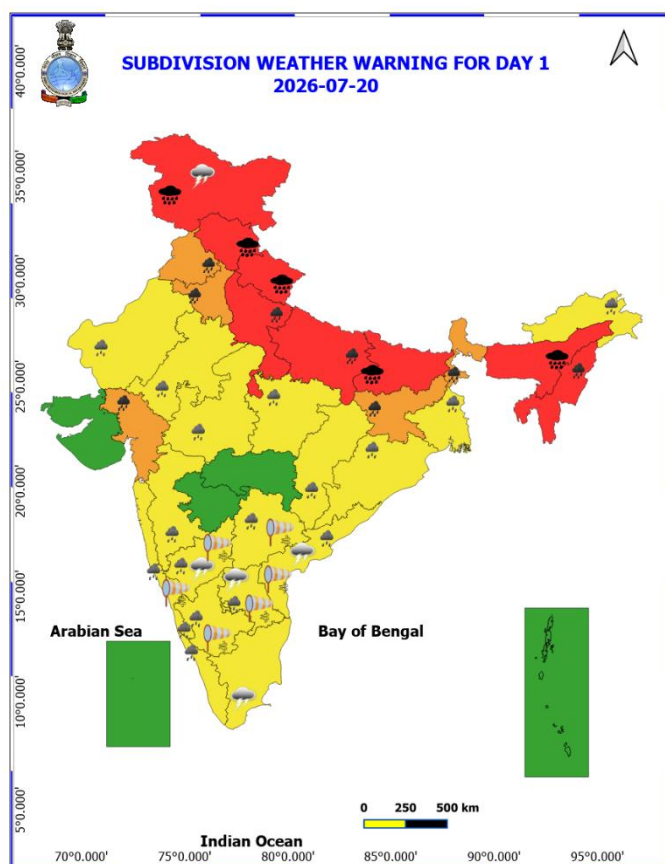
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

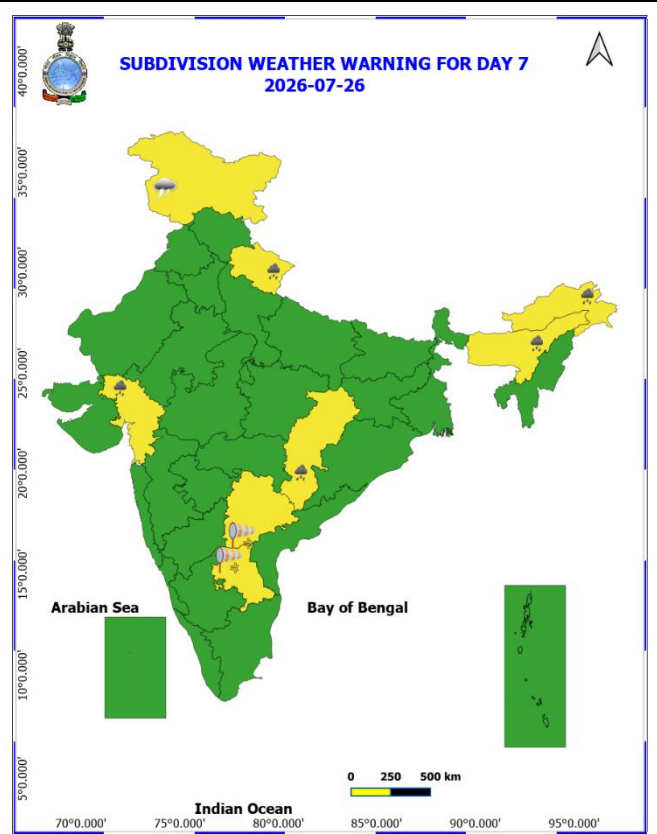
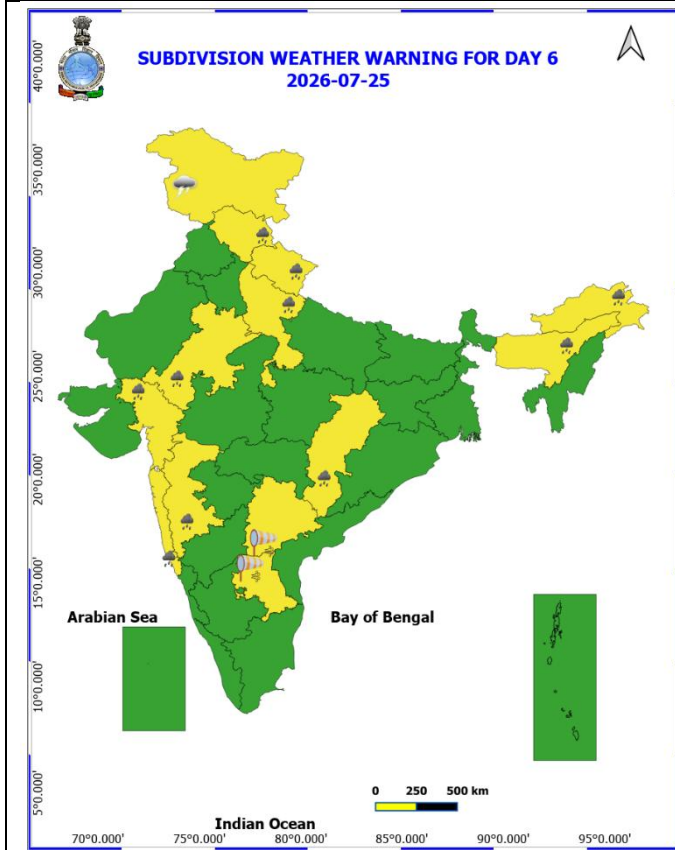
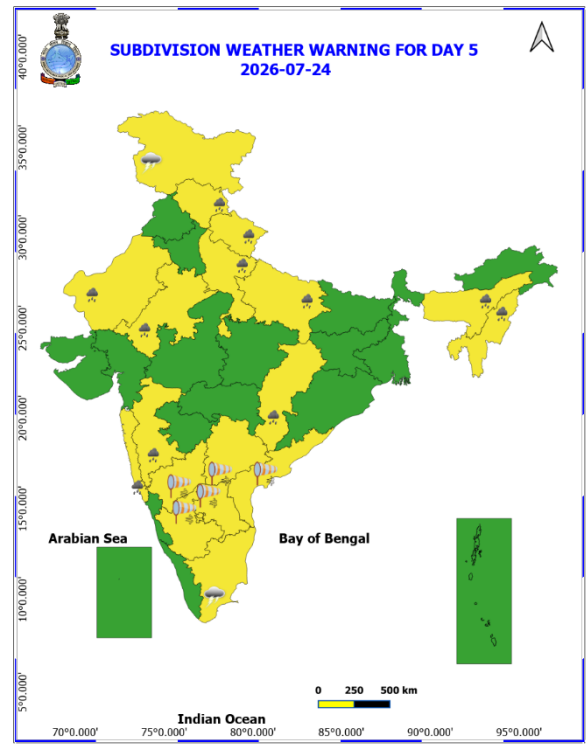
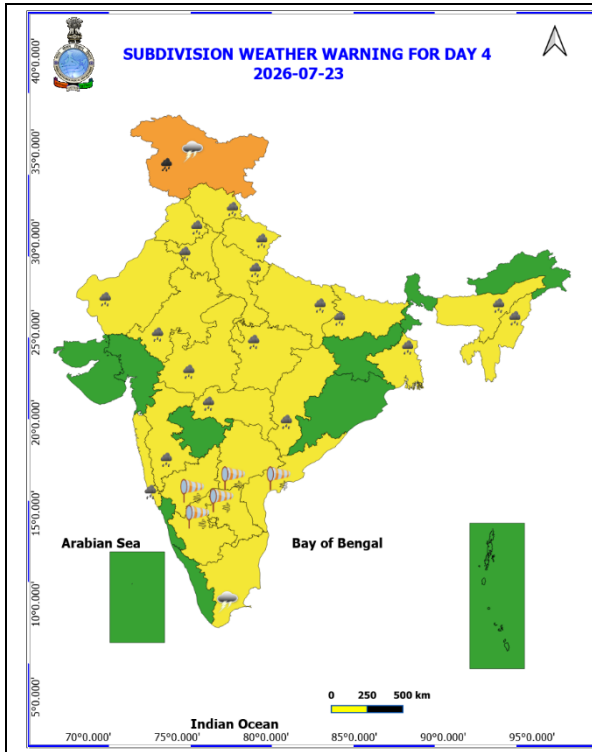
महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ असम और मेघालय: विलियमनगर ओआरजी 37
- ❖ उत्तराखंड: शामा 22
- ❖ बिहार: सीवान 20
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बहेड़ी (बरेली) 17
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: मुहम्मदी (खीरी) 16
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: तुली एनएसडीएमए एडब्ल्यूएस 15
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: चेपन 15
- ❖ झारखंड: हजारीबाग 14
- ❖ ओडिशा: टैंकनाल 12
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 13, कम्मार्डी (जिला चिक्कमगलुरु) 11
- ❖ तेलंगाना: सिरपुर (जिला कुमारम भीम) 10, बांसवाड़ा (जिला कामारेड्डी) 9
- ❖ तटीय कर्नाटक: सिद्धापुरा (जिला उडुपी) 10, सुब्रमण्य (जिला दक्षिण कन्नड़) 8
- ❖ जम्मू-कश्मीर: राजौरी 9
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: टीकमगढ़ 9
- ❖ केरल और माहे: पनाथुर एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड) 9
- ❖ छत्तीसगढ़: मनेन्द्रगढ़ 8
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: मियाओ (सीडब्ल्यूसी) 8
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक: केम्भवी (जिला यादगीर) 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	20- Jul	21- Jul	22- Jul	23- Jul	24- Jul	25- Jul	26- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	FWS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

20 जुलाई से 23 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान में 2-4°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 37-38°C और न्यूनतम तापमान 25-28°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5 से 1.5) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आमतौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की रफ्तार से ज़मीनी हवा चली, जिसकी गति कभी-कभी 33 किमी/घंटा तक पहुँच गई। आज सुबह के समय इस इलाके में दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवा चलने और आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

20.07.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने/30-40 किमी/घंटा (तेज़ झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-36°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ्तार 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की रफ्तार कम होकर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

21.07.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ जगहों पर भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने/30-40 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। दिन के बाकी समय में एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ्तार बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा पश्चिम दिशा से चलेगी।

22.07.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर से पहले तक कई जगहों पर एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने/30-40 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। दोपहर से शाम के बीच कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान भी ज्यादातर जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C)

रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

23.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर से पहले तक ज़्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के एक या दो दौर हो सकते हैं। दोपहर से शाम के बीच कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 21°C से 23°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज़्यादातर जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और कुछ अलग-थलग जगहों पर सामान्य से बहुत कम (-5.1°C या उससे कम) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने और इसकी गति 15 किमी/घंटा तक रहने की संभावना है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 10 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- ❖ 20 और 21 तारीख को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है; वहीं 20 जुलाई को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और असम व मेघालय में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।

संभावित असर

- ❖ मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ कमज़ोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है। □ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- ❖ पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- ❖ अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफिक जाम की स्थिति देख लें।
- ❖ इस संबंध में जारी ट्रैफिक सलाहों का पालन करें।
- ❖ अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- ❖ कमज़ोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- असम में, खेतों से पानी निकालने वाले नालों को साफ रखें और गन्ने, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल के खेतों और फलों के बागों से ज़्यादा बारिश का पानी लगातार निकालते रहें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार फ़सल की कटाई कर लें।
- मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों के आस-पास पानी निकालने वाले नालों में कोई रुकावट न होने दें। नर्सरी की मेड़ों को मज़बूत करें और पानी के बहाव, पौधों के बहने और लंबे समय तक जलभराव को रोकने के लिए पानी निकालने की लगातार व्यवस्था बनाए रखें।
- जम्मू-कश्मीर में, खड़ी फ़सलों में सिंचाई न करें और खेतों से ज़्यादा बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- हिमाचल प्रदेश में, जलभराव से बचने के लिए मक्का, रागी, कद्दू-वर्गीय फ़सलों, टमाटर और शिमला मिर्च के खेतों में पानी निकालने की सही व्यवस्था करें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार फ़सल की कटाई कर लें।
- नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, पानी निकालने की लगातार और असरदार व्यवस्था सुनिश्चित करें और सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फ़सलों और सब्जियों के खेतों से जमा हुआ बारिश का पानी निकाल दें ताकि लंबे समय तक जलभराव न रहे।
- उत्तराखंड में, मूंगफली, सोयाबीन और मक्का की बुवाई टाल दें। जलभराव से बचने के लिए धान, टमाटर और मिर्च के खेतों में पानी निकालने की सही व्यवस्था करें। तैयार टमाटर की कटाई सिर्फ़ बारिश न होने पर ही करें।
- उत्तर प्रदेश में, जलभराव से बचने के लिए धान, मक्का, तिल और अरहर के खेतों में पानी निकालने की सही व्यवस्था करें। खेत की हालत सुधरने तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- पश्चिम बंगाल में, लंबे समय तक जलभराव से बचने के लिए धान की नर्सरी, जूट, अदरक और सब्जियों के खेतों में पानी निकालने की लगातार और असरदार व्यवस्था सुनिश्चित करें। धान की नर्सरी के आस-पास की मेड़ों की जाँच करें और उन्हें मज़बूत करें; साथ ही, जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार चाय की पत्तियों और सब्जियों की कटाई कर लें।
- पंजाब, हरियाणा, कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में, खड़ी फ़सलों में सिंचाई न करें और खेतों से ज़्यादा बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- सिक्किम में, जलभराव से बचने के लिए धान की नर्सरी और खड़ी फ़सलों वाले खेतों में पानी निकालने की सही व्यवस्था करें।
- अरुणाचल प्रदेश में, लंबे समय तक जलभराव से बचने के लिए धान, मक्का, सोयाबीन और रागी के खेतों से ज़्यादा बारिश का पानी लगातार निकालते रहें।
- झारखंड में, जलभराव से बचने के लिए खड़ी फ़सलों वाले खेतों में पानी निकालने की सही व्यवस्था करें। खेत की हालत सुधरने तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- बिहार में, लंबे समय तक जलभराव से बचने के लिए धान, मक्का, तिल और अरहर के खेतों से पानी लगातार निकालते रहें। खेत की हालत सुधरने तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें। □ ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार जल निकासी की व्यवस्था करें और खेतों की नालियों को साफ रखें। जब तक खेत की स्थिति ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- केरल में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों की फ़सलों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- छत्तीसगढ़ में, धान की नर्सरी और मक्का, सोयाबीन, अरहर और छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स) की खड़ी फ़सलों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार जल निकासी की व्यवस्था करें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा जैसे भारी बारिश की संभावना वाले इलाकों में खड़ी फ़सलों में सिंचाई न करें और खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।

तूफान/तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए मौसम-कृषि सलाह

- □ काटी गई फ़सल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फ़सल के इधर-उधर उड़ने या गिरने के जोखिम को कम करने के लिए काटी गई फ़सल को मज़बूती से बांधें और ढककर रखें।

- □ तेज़ हवाओं के कारण फसलों को गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों तथा छोटे या फल देने वाले पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

21-07-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर):

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

जम्मू और कश्मीर और लद्दाख: पुंछ, राजौरी, कुलगाम, शोपियां, बडगाम, गांदरबल, श्रीनगर, अनंतनाग, किस्तवार, रामबन, डोडा, उधमपुर, कठुआ, सांबा, रियासी, जम्मू और लद्दाख (लेह) जिले

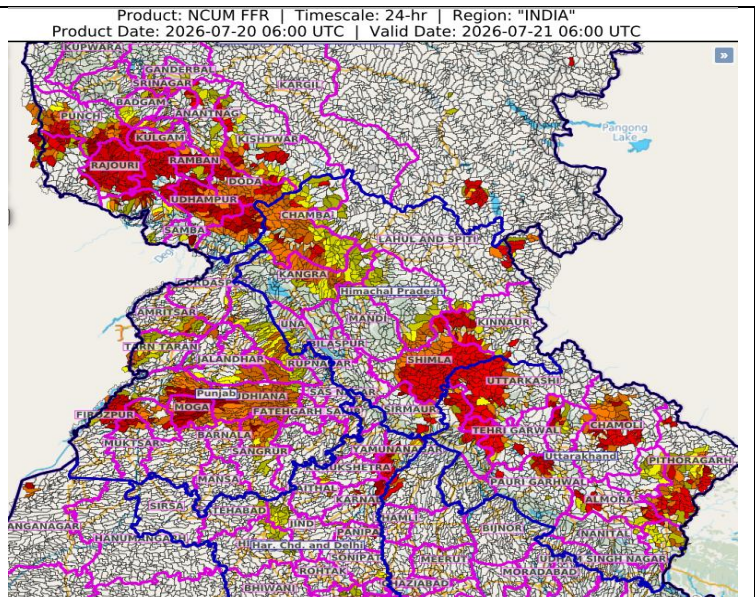
हिमाचल प्रदेश: चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, ऊना, सिरमौर, शिमला, लाहौल और स्पीति और किन्नौर जिले

उत्तराखंड: देहरादून, उत्तरकाशी, गढ़वाल पौड़ी, गढ़वाल टेहरी, चमोली, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत और रुद्रप्रयाग जिले

पंजाब: अमृतसर, जालंधर, गुरदासपुर, होशियारपुर, कपूरथला, तरनतारन, मोगा, लुधियाना, फिरोजपुर, फरीदकोट, मुक्तसर, बरनाला, संगरूर और एसबीएस नगर जिले

हरियाणा - चंडीगढ़ और दिल्ली:

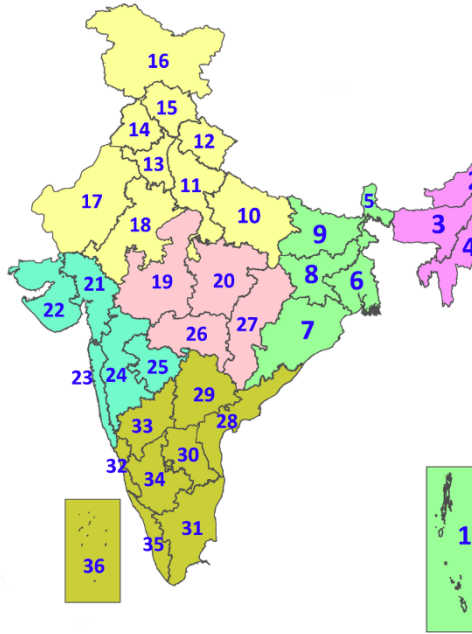
हरियाणा: यमुनानगर, सहारनपुर, कुरुक्षेत्र और करनाल जिले



जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।	
--	--

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)